



संख्या -

कृषि विज्ञान केन्द्र

बिरौली, समस्तीपुर

प्रगति वृत्तांत

2016-2026



डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, समस्तीपुर - 848125

आरपीसीएयू-कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली, समस्तीपुर

कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली एक नजर

मुख्य संरक्षक

डॉ. पी.एस. पाण्डेय

माननीय कुलपति

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

संरक्षक

डॉ. रत्नेश कुमार झा

निदेशक प्रसार शिक्षा

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

मुख्य संपादक

डॉ. रविन्द्र कुमार तिवारी

वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान

संपादक

ई. विनिता कश्यप

विषय वस्तु विशेषज्ञ (कृषि अभियंत्रण)

श्रीमती भारती उपाध्याय

विषय वस्तु विशेषज्ञ (फसल उत्पादन)

श्रीमती वर्षा कुमारी

विषय वस्तु विशेषज्ञ (गृह विज्ञान)

श्री सुमित कुमार सिंह

विषय वस्तु विशेषज्ञ (पौध संरक्षण)

डॉ. धीरू कुमार तिवारी

विषय वस्तु विशेषज्ञ (उद्यान)

तकनीकी सहयोग

श्रीमती निशा रानी

कार्यक्रम सहायक (प्रयोगशाला तकनीशियन)

प्रकाशन वर्ष 2026

कुलपति का संदेश



डा. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, किसानों के समक्ष आने वाली समस्याओं और चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए कृषि की नवीनतम तकनीकों के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत् है। विश्वविद्यालय किसानों की आय में वृद्धि तथा उनकी जीवनशैली के उच्चतम स्तर पर ले जाने हेतु दृढ़ संकल्पित है। विश्वविद्यालय अपने अधीन 16 कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से कृषि एवं किसानों के समग्र उत्थान हेतु कृषि प्रसार, अनुसंधान एवं प्रबंधन प्रणाली को सुदृढ़ कर रहा है। डा. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा एवं अन्य कृषि संस्थानों द्वारा विकसित कृषि की अत्याधुनिक तकनीकों को किसानों के प्रक्षेत्र पर व्यवहारिक अनुप्रयोग में लाने में कृषि विज्ञान केन्द्र एक महत्वपूर्ण कड़ी है। कृषि विज्ञान के माध्यम से हमारा ध्यान कृषि की टिकाऊ पद्धतियों को बढ़ावा देने, फसल उत्पादकता बढ़ाने, कृषि संबंधी उद्यमशीलता, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण विकास पर जोर देना है।

कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली नौ पिछले सात वर्षों के दौरान अपने किये गये कार्यों को संकलित किया है। मुझे उम्मीद है कि यह प्रयास निरंतर जारी रहेगा। यह विवरणिका भविष्य की योजना बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मैं इस विवरणिका को कृषि हित में संकल्पित करने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली के समस्त कर्मचारियों को शुभकामनाएँ देता हूँ।

(डॉ. पुन्यव्रत सुविमलेन्दु पाण्डेय)

परिचय

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली, समस्तीपुर की स्थापना 10 जुलाई 2004 को राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत किया गया। समस्तीपुर जिले में चार अनुमंडल समस्तीपुर, पटोरी, रोसड़ा एवं दलसिंहसराय हैं जिसमें कुल 20 प्रखण्ड यथा- पूसा, कल्याणपुर, ताजपुर, मोरवा, समस्तीपुर, वारिसनगर, सरायरंजन, मोहनपुर, खानपुर, पटोरी, दलसिंहसराय, विभूतिपुर, शिवाजीनगर, रोसड़ा, उजियारपुर, विद्यापतिनगर, बिथान, हसनपुर, सिंधिया एवं मोहिउद्दीन नगर हैं।



कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली का कार्यक्षेत्र

वर्ष 2019 तक कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली का कार्यक्षेत्र 20 प्रखंडों में था।

वर्ष 2019 में समस्तीपुर में एक अतिरिक्त कृषि विज्ञान केन्द्र, लादा, सिंधिया में स्थापित किया गया। इसके पश्चात् कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली का कार्यक्षेत्र समस्तीपुर जिले के दो अनुमंडल यथा- समस्तीपुर एवं पटोरी है। यह केन्द्र 25.41° उत्तरी अक्षांश एवं 84.6° पूर्वी देशांतर के बीच समुद्रतल से 52.8 मी. ऊपर अवस्थित है। यह समस्तीपुर एवं मुजफ्फरपुर रोड के बीच जिला मुख्यालय से 15 किलोमीटर एवं विश्वविद्यालय से 8 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित है।

केन्द्र के समस्त तकनीकी हस्तान्तरण कार्यक्रम “करके देखो” एवं “देखकर विश्वास करो” के सिद्धांत पर संचालित किया जाता है तथा प्रौद्योगिकी में निहित वास्तविक दक्षता को सिखाने पर बल दिया जाता है। यह केन्द्र एक ऐसी महत्वाकांक्षी, वैज्ञानिक संस्था है जहां किसानों एवं कृषि कार्य में संलग्न महिलाओं तथा ग्रामीण युवकों को व्यवसायिक प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे वे स्वावलम्बी बनने के साथ तकनीकी ज्ञान प्राप्त कर सकें। प्रशिक्षण मुख्यतः फसलोत्पादन, पौध सुरक्षा, पशु पालन, कृषि अभियंत्रिकी, उद्यानिकी तथा अनेक कृषि संबंधी विषयों में दिया जाता है।

केन्द्र ने किसानों के खेतों पर किसानों को शामिल करते हुए वैज्ञानिकों की देख-रेख में उन्नत तकनीक का परीक्षण किया जाता है तथा कृषकों एवं विस्तार कार्यकर्ताओं के समक्ष आधुनिकतम वैज्ञानिक तकनीक का अग्रिम-पंक्ति प्रदर्शन किया जाता है। केन्द्र के द्वारा वर्ष 2004-05 से ही धान, गेहूँ, अरहर, राई, तिल, मसूर, मोटे अनाज आदि के उच्च गुणवत्तायुक्त बीज का उत्पादन एवं उच्च गुणवत्तायुक्त सब्जियों का पौध तैयार कर किसानों तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। केन्द्र के प्रक्षेत्र पर समस्तीपुर जिले की मुख्य फसलों (रबी एवं खरीफ) का फसल संग्रहालय लगाया जा रहा है जिससे केन्द्र पर भ्रमण हेतु आने वाले किसान “देखकर विश्वास करो” के सिद्धान्त द्वारा जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। केन्द्र के अन्तर्गत एक नर्सरी की स्थापना भी की गई है जिसमें आम के लगभग सभी प्रजातियाँ (सफेद मालदह, बम्बई, दशहरी, आम्रपाली, मल्लिका, अल्फान्सो, गुलाब खास, सुकूल, जर्दालू, कृष्ण भोग, भरत भोग, अमर इब्राहिम, राजेन्द्र-1, तोतापुरी, टन बथुआ, कंचन बथुआ, सफेद बथुआ, गोपालभोग, पहाड़पुर सिंदुरिया, गुलाबखास, सिपिया, मिठुआ, हिमसागर, प्रभाशंकर, महमूद बहार, सबरी, जवाहर, स्वर्ण रेखा, काजू, एल. फजली, गौरजितऋ, लीची ब्रह्माही, चाईना, रोज सेन्टेड, बेदानाऋ, अमरुद (इलाहाबाद सफेदा, एल.-49), नींबू (कागजी नींबू) का पौधा किसानों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित मूल्य में उपलब्ध कराया जाता है।

बिहार

समस्तीपुर



कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली, समस्तीपुर

एक नजर.....

कृषि विज्ञान केन्द्र की गतिविधियाँ

1. विभिन्न कृषि प्रणालियों के अन्तर्गत किसानों के प्रक्षेत्र पर परीक्षण ब्लॉक फार्म ट्रायलक्र द्वारा स्थान विशेष कृषि तकनीकों की पहचान करना ।
2. कृषक प्रक्षेत्रों पर तकनीकों की उत्पादन क्षमता के स्थापना/प्रदर्शन हेतु अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्ष आयोजित करना ।
3. किसानों के लिए आधुनिक कृषि तकनीकों के विषय में ज्ञानार्जन एवं कौशल सर्वेक्षण हेतु प्रशिक्षण आयोजित करना ।
4. प्रसार कार्यकर्ताओं के लिए उनके अग्रिम क्षेत्र विशेष में तकनीकी विकास के ज्ञान संचरण हेतु प्रशिक्षण आयोजित करना ।
5. जिला की कृषि अर्थव्यवस्था के समुन्नयन हेतु सार्वजनिक, निजी तथा स्वयंसेवी क्षेत्रों के लिए संसाधन एवं ज्ञान केन्द्र के रूप में कार्य करना ।
6. उन्नतशील बीज, पौध तथा जैविक उत्पादों का उत्पादन कर कृषकों को उपलब्ध कराना ।
7. किसानों को विभिन्न विषयों पर सूचना एवं संचार तकनीक (आइ.सी.टी.) और अन्य मीडिया माध्यमों का उपयोग करके कृषि परामर्श प्रदान करना ।

प्रक्षेत्र की स्थिति

कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली, समस्तीपुर प्रक्षेत्र एवं आस-पास के क्षेत्र की मिट्टी बलुई-दोमट है ।

इसका पी. एच. मान 8-8.5 के बीच है ।

कृषि विज्ञान केन्द्र के अधीन उपलब्ध भूमि

क्र.सं.	इकाई	(हे.)
1	भवन आदि	2.0
2	प्रदर्शन इकाई	4.2
3	फसल	7.0
4	कृषि वानिकी	11.0
5	जल क्षेत्र (गहरा)	8.8
6	तालाब	1.2
7	अन्य (मेड़, सड़क, चैनल)	3.3
	कुल	37.5



1. लीची, आम एवं ऑवला बगीचा
2. ऑवला, अमरुद, आम, निंबू, बेल एवं कटहल बगीचा
3. बीज उत्पादन प्रक्षेत्र
4. लीची बगीचा
5. सब्जी अनुसंधान प्रक्षेत्र
6. बीज उत्पादन प्रक्षेत्र
7. शेड नेट हाउस
8. कार्यालय, नर्सरी एवं प्रत्यक्षण इकाईयाँ
9. समेकित कृषि प्रणाली इकाई
10. बीज उत्पादन प्रक्षेत्र
11. गहरा जलासय क्षेत्र
12. वानिकी प्रक्षेत्र

कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली, समस्तीपुर

एक नजर.....

केन्द्र पर उपलब्ध प्रत्यक्षण इकाईयाँ



गेंदा फूल का प्रदर्शन इकाई



वर्मिकम्पोस्ट इकाई



मशरूम इकाई



समेकित कृषि प्रणाली



नेट हाउस



मधुमक्खी पालन इकाई



उच्च मूल्य फसल प्रदर्शन



कृषि यंत्र बैंक



पौधशाला



पॉली हाउस



पोषण वाटिका



फसल संग्रहालय

कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली, समस्तीपुर

एक नजर.....

माननीय कुलपति के द्वारा केन्द्र के विभिन्न इकाईयों का परिभ्रमण



कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली, समस्तीपुर

एक नजर.....

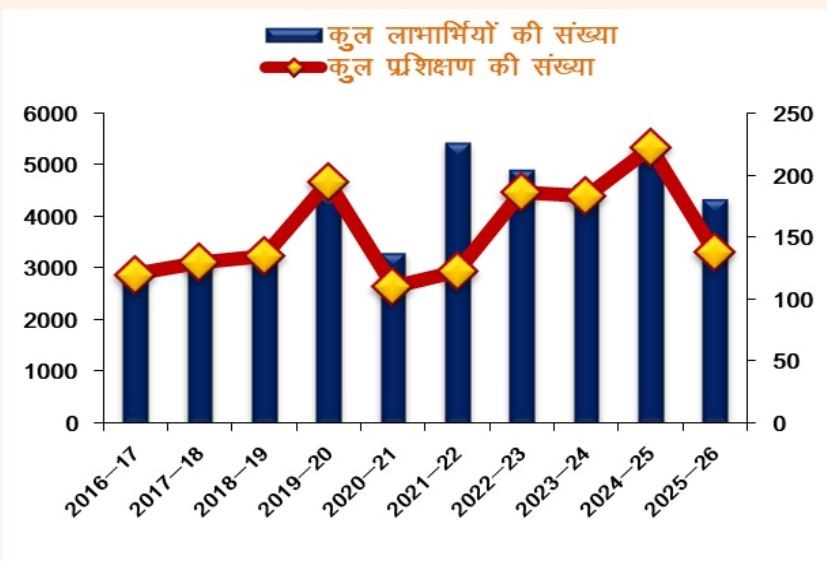
**डा. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के माननीय कुलाधिपति
का कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली के कार्यक्षेत्र पर परिभ्रमण**

A group of men are standing in a field, looking at a banner. The banner is white with black text and features the Karnataka Sahitya Akademi logo. The text on the banner includes 'Karnataka Sahitya Akademi', 'Karnataka Sahitya Akademi', and 'Karnataka Sahitya Akademi'. The men are dressed in casual attire, including shirts, trousers, and a dhoti. The background shows a line of trees under a clear sky.



प्रशिक्षण कार्यक्रम (2016-2025)

कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली के द्वारा कृषि से संबंधित उन्नत तकनीकी की जानकारी हेतु कृषकों नवयुवकों/नवयुवतियों एवं कृषि प्रसार कर्मियों के लिए वर्ष 2016-17 से 2025-26 तक विभिन्न विषयों पर कुल 1539 प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिससे 41425 प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षित हुए। कृषकों की आय बढ़ाने एवं रोजगार सृजन हेतु बकरी पालन, मत्स्य पालन, नर्सरी उत्पादन, समेकित कृषि प्रणाली, कृषि यंत्र बैंक की स्थापना एवं संचालन पोशण वाटिका इत्यादि विषय पर प्रशिक्षण कराया गया, कुल 3244 प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षित हुए जिसमें से लगभग 598 प्रशिक्षणार्थियों ने विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार शुरू किया।



कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली, समस्तीपुर

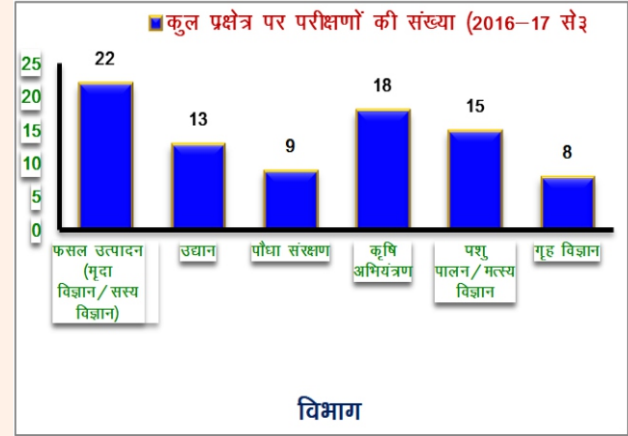
एक नजर.....

प्रक्षेत्र पर परीक्षण कार्यक्रम (2016-2025)

प्रक्षेत्र पर परीक्षण कार्यक्रम कृषि विज्ञान केन्द्र का एक महत्वपूर्ण गतिविधियाँ है जिसके द्वारा तकनीकी मूल्यांकन किसानों के खेत पर किया जाता है। प्रक्षेत्र पर परीक्षण करने से पहले आमतौर पर निम्नलिखित चरणों का पालन किया जाता है:

- समस्या की पहचान
- वर्तमान परिस्थिति
- समस्या विश्लेषण
- निदान/परिशोधन
- प्रयोग
- परिणाम का मूल्यांकन
- किसानों को प्रौद्योगिकी का सूझाव एवं प्रसार

कृषि के क्षेत्र में विभिन्न फसलों के लिए काफी नवीनतम् तकनीक विकसित किये गये हैं। समस्तीपुर जिले की मुख्य फसल प्रणाली एवं फसल में आने वाली मुख्य समस्या की पहचान कर उसके निदान हेतु विकसित नवीनतम् तकनीकों का चयन करके कृषकों के प्रक्षेत्र में केन्द्र के द्वारा विभिन्न परीक्षण कार्यक्रम किये गये हैं ताकि किसानों को होने वाली समस्या का समाधान किया जाए। वर्ष 2016-17 से 2025-26 तक कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली द्वारा कुल 86 प्रक्षेत्र पर परीक्षण किये गये हैं।

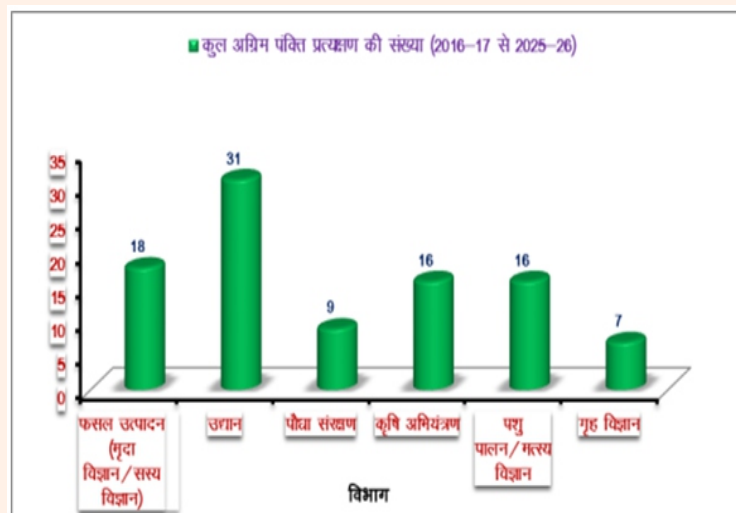


कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली, समस्तीपुर

एक नजर.....

अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण (2016-2025)

कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली के द्वारा 2016-17 से 2025-26 तक कुल 69 तकनीकों का अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण कुल 1996 किसानों के बीच में किया गया जिनमें से कुछ प्रत्यक्षण का विवरण निम्नलिखित है:



मडुआ (पौष्टिक अनाज) प्रभेद-आर.ए.यू-8 का प्रत्यक्षण



केले में स्कैरिंग बीटल की रोकथाम हेतु घोड़ आवरण का प्रत्यक्षण



पंक्तिब) सब्जियों में निकाई गुड़ाई हेतु ग्रबर का प्रत्यक्षण



आम एवं लीची में फल मक्खी फंदा का प्रत्यक्षण



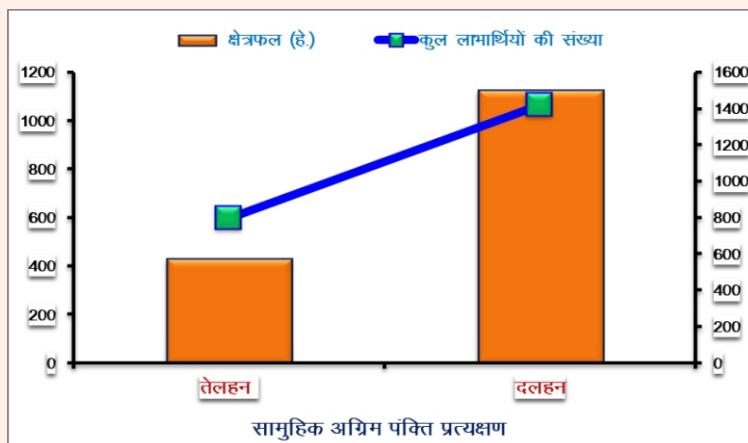
समग्र मछली पालन एवं रोग निदान का प्रत्यक्षण



ग्लैडियोलस फूल का प्रत्यक्षण

सामूहिक अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण (दलहन/ तेलहन) 2016-2025

सामूहिक अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण (दलहन/ तेलहन) वर्ष 2015-16 से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (NFSM) के अधीनस्थ कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग के द्वारा चलाया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य खाद्य सुरक्षा के लिए दलहन/ तेलहन उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करना। सामूहिक अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण (दलहन/ तेलहन) पिछले 10 वर्षों के दौरान दलहन/तेलहन उत्पादन के लिए नवीनतम किस्म/प्रौद्योगिकियों का प्रत्यक्षण चयनित किसानों के क्षेत्र में किया जाता है।



पौधशाला

कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली से आम, लीची, अमरुद, नींबू का पौधा समस्तीपुर के विभिन्न प्रखण्ड से आए किसानों के साथ-साथ बिहार के दूसरे जिलों से आए किसान जैसे- मोतिहारी, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, बेगुसराय आदि ने भी खरीदा है। केन्द्र के द्वारा पौधों की आपूर्ति दूसरे राज्य जैसे उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, झारखंड आदि में भी की गयी है।



बीज उत्पादन कार्यक्रम

उत्पादन वर्ष	कुल बीज उत्पादन (क्विंटल)
2015-16	112.61
2016-17	87.90
2017-18	110.00
2018-19	194.60
2019-20	328.5
2020-21	402.54
2021-22	465.89
2022-23	401.87
2023-24	391.88
2024-25	349.97
2025-26	523.12



कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली, समस्तीपुर

एक नजर.....

कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली, समस्तीपुर द्वारा पौध सामग्री का उत्पादन

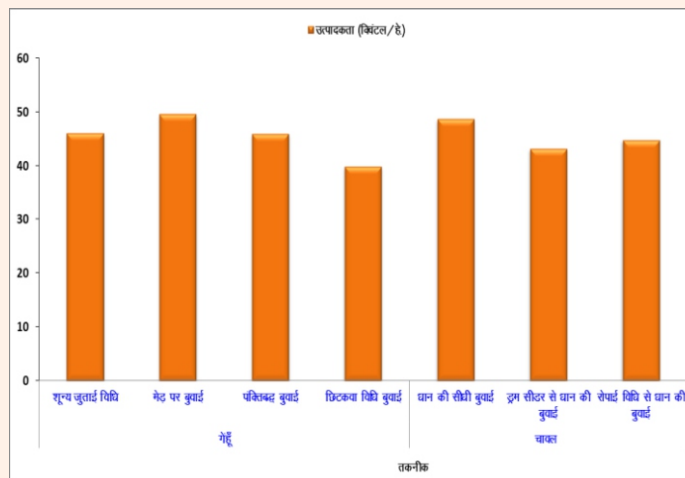
वर्ष	अमरुद	लीची	आम	नींबू
2016-17	419	8250	2250	196
2017-18	355	3150	3172	1715
2018-19	1085	1353	6572	608
2019-20	565	11576	16441	2587
2020-21	187	4700	27000	0
2021-22	178	4772	9775	711
2022-23	4824	10843	22014	4999
2023-24	2250	16292	30550	3780
2024-25	1500	6900	65600	2650
2025-26	1500	4600	45500	1300
कुल	12863	72436	228874	18546



केन्द्र के द्वारा संचालित परियोजनाएँ

जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली के द्वारा जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम के अन्तर्गत 5 गांवों का चयन किया गया क्रमशः रामापुर महेशपुर, चाको भिण्डी, हरपुर भिण्डी, चकपहाड़ एवं रामपुर है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत किसानों को मौसम के अनुकूल खेती करना सिखाया जाता है ताकि मौसम के बदलते परिवेश में किसानों के लागत में कमी के साथ-साथ बदलते मौसम से होने वाली हानि से बचाया जा सके। साथ ही साथ समय के अनुसार खेती की



जा सके। इस कार्यक्रम में विभिन्न उन्नत उपकरण जैसे लेजर लैंड लेवलर से जमीन का समतलीकरण, जीरो टिलेज से गेहूँ, मसूर एवं राई की बुवाई, रेजड बेड प्लांटर द्वारा मक्के की बुवाई, ड्रीम सीडर द्वारा धान की सीधी बुवाई, हैपी सीडर द्वारा गेहूँ की बुवाई, पोटैटो प्लांटर द्वारा आलू की बुवाई, पोटैटो डीगर द्वारा आलू की खुदाई, मल्टी क्रॉपथ्रेसर, रीपर कम बाइंडर आदि मशीनों का प्रत्यक्ष किसानों के खेत में कराया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत चयनित गांव में खरीफ में कुल 595 एकड़ एवं रबी में 623 एकड़ क्षेत्रफल में परियोजना चलाया जा रहा है।

जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न संसाधन संरक्षण तकनीकों का प्रभाव

1. लेजर लैंड लेवलर:

इस परियोजना के अन्तर्गत कुल 187 एकड़ क्षेत्रफल में लेजर लैंड लेवलर द्वारा जमीन का समतलीकरण कराया गया है। इसका प्रभाव काफी सकारात्मक देखा गया है। चावल-गेहूँ कृषि प्रणाली के खेतों में लेजर लेवलिंग से सिंचाई का समय 46-52 घंटे/हेक्टेयर/सीजन से कम हो कर लगभग 30-32 घंटे/हेक्टेयर/सीजन हो गया, जिससे सिंचाई में लगभग रु. 1600.00 से रु.



कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली, समस्तीपुर

एक नजर.....

2000.00 तक की बचत हुई है और पारंपरिक रूप से समतल किए गए खेतों की तुलना में उपज में लगभग 6-7 प्रतिशत का सुधार हुआ। गेहूं में, सिंचाई का समय 31-32 घंटे/हेक्टेयर/सीजन से कम हो कर 18-20 घंटे/हेक्टेयर/सीजन हो गया जिससे सिंचाई में रु. 1200.00 से रु. 1300.00 तक की बचत हुई है और लेजर लेवल खेतों में उपज 7-9 प्रतिशत तक बढ़ गई। पानी की बचत 25-27 प्रतिशत तक देखी गयी है।

2. शून्य जुताई:

जीरो टिलेज विधि द्वारा गेहूं की बुवाई में लगभग रु. 9000/हेक्टर की दर से जुताई में बचत देखी गई है। फसल अवशेष की उपस्थिति में गेहूं की बुवाई से मृदा में नमी की मात्रा बनी रहती है जिससे किसानों की एक सिंचाई की बचत हो जाती है। इस तकनीक से उत्पादन में 10.9 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। साथ ही पछुआ हवा से होने वाले नुकसान से भी फसलों की रक्षा होती है।



कृषि ज्ञान वाहन

बिहार सरकार के चतुर्थ कृषि रोड मैप के तहत सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकियों तथा कृषि के उन्नत उपकरणों जैसे हेमाटो-एनालाईजर, बीओडी इनक्यूबेटर, मृदा परीक्षण किट इत्यादि से सुसज्जित चार कृषि ज्ञान वाहनों को पूरे बिहार के लिए शुरू किया गया है, जिनमें से एक कृषि ज्ञान वाहन डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि वि विद्यालय, पूसा के अधीन क्रियाशील है, जो उत्तर बिहार के विभिन्न जिलों के ग्रामीण किसानों के बीच उनके दरवाजे पर कृषि ज्ञान प्रदान करने के लिए



अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। अब तक इस ज्ञान वाहन के द्वारा समस्तीपुर जिले के 10 प्रखण्डों एवं 40 पंचायतों के लगभग 2200 कृषक एवं कृषक महिलाएँ लाभान्वित हुए हैं। खरीब एवं रबी फसलों की विभिन्न उत्पादन तकनीकों एवं कृषि की अन्य नवीनतम तकनीकों को श्रव्य दृश्य के माध्यम से किसानों के साथ साझा किया जा रहा है। साथ ही शोध एवं विश्लेषण के लिए बीज और मिट्टी के नमूने भी एकत्र किये गये। यह वाहन कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों जैसे- सामूहिक अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (दलहन एवं तिलहन), अनुसूचित जाति उप योजना कार्यक्रम, कृषक संगोष्ठी कार्यशाला, प्रक्षेत्र दिवस एवं किसान मेला इत्यादि में प्रस्तावित भ्रमण चार्ट के माध्यम से किसानों के बीच पहुँच रहा है। कृषि एवं कृषि संबंधित विभागों के द्वारा आयोजित होने वाले विभिन्न कृषक कार्यक्रमों जिसमें कृषक एवं कृषक महिलाओं तथा प्रसार कार्यकर्ताओं की सहभागिता रहती है, में ज्ञान वाहन अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए उनको लाभान्वित कर रहा है।



अनुसूचित जाति उपयोजना

भारत सरकार ने अनुसूचित जाति समुदाय को उनके विकासात्मक आकांक्षा कार्यक्रम में सुविधा प्रदान करने के लिए सामाजिक समानता की मांग, विशेष ध्यान और सावधानीपूर्वक हस्तक्षेप के सिद्धांत पर अनुसूचित जाति उप योजना शुरू की, जो समुदाय को पर्याप्त संसाधन आपूर्ति द्वारा समर्थित सहानुभूति और संवेदनशीलता दोनों में विकसित करने में सक्षम बनाने पर केंद्रित है, अनुसूचित जाति उपयोजना विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से अनुसूचित जाति आबादी को सशक्त बनाने की एक योजना है।

कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली, समस्तीपुर

एक नजर.....

केन्द्र के द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना के अन्तर्गत चयनित किसानों को विभिन्न उपादानों जैसे- पॉल्ट्री, फीडर, फीड एवं ड्रिंकर स्प्रेयर, सिलाई मशीन, मधुमक्खी बक्सा, नर्सरी कीट, मशरूम, बायो फोर्टिफाईड भिण्डी एवं अन्य छोटे उपकरण रोजगार के लिए दिये गये हैं। जिनमें से कई लाभार्थी स्वयं का रोजगार मुर्गी पालन, सिलाई भी शुरू किये हैं। अब तक कुल 385 किसान विभिन्न उपादानों के द्वारा लाभान्वित हुए हैं। इस उपयोजना के अन्तर्गत अनुसूचित जाति वर्ग के किसानों के लिए प्रशिक्षण, जागरूकता कार्यक्रम एवं उपादान वितरण कार्यक्रम किया जाता है।



केन्द्र के द्वारा किया गया मृदा जाँच कार्यक्रम

समस्तीपुर जिले के विभिन्न गांवों के किसानों के बीच मृदा स्वास्थ्य जागरूकता एवं फसल कटाई के तुरंत बाद मृदा परीक्षण कार्यक्रम वर्ष 2016 से अब तक कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली द्वारा किया गया जिसमें विभिन्न प्रखंडों के खेतों से कुल 8157 मृदा नमूना की जांच की गई।



स्वच्छता ही सेवा

भारत के माननीय प्रधानमंत्री जी के द्वारा 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत मिशन का आरंभ किया गया था। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत केन्द्र द्वारा स्कूल के छात्रों के बीच स्वच्छता ही सेवा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।



पोषक संवेदी कृषि एवं नवोन्मेषण कार्यक्रम (NARI परियोजना)

नारी परियोजना वर्ष 2021 के दौरान भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा संचालित किया गया है। इस योजना के अन्तर्गत ग्रामीण महिलाओं तथा आंगनवाड़ी केन्द्र के माध्यम से पोषण सुरक्षा हेतु जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा कृषक महिलाओं के प्रक्षेत्र पर प्रत्यक्षण तथा विभिन्न प्रकार के उन्नत प्रभेद की सब्जी बीज कीट तथा सब्जी पौधा तथा फल पौधा आदि सामग्री वितरण द्वारा लाभ पहुंचाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत 13 पोषण संवेदी गांवों को चुना गया है।



प्राकृतिक खेती

प्राकृतिक खेती परियोजना वर्ष 2021 से चलाया जा रहा है। प्राकृतिक खेती कृषि की प्राचीन पद्धति है जिसमें रासायनिक उर्वरकों तथा कीटनाशकों को प्रयोग नहीं होता है अपितु प्रकृति में आसानी से उपलब्ध होने वाले प्राकृतिक तत्व तथा जीवाणुओं के उपयोग से खेती की जाती है जो फसलों की लागत को कम करने में कारगर हैं। इस खेती में जीवामृत, घनजीवामृत एवं बीजामृत का उपयोग पौधों को पोषक तत्व प्रदान करने के लिए किया जाता है।



कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली, समस्तीपुर

एक नजर.....

कृषि ड्रोन द्वारा फसलों पर छिड़काव

कृषि ड्रोन के द्वारा किसानों के प्रक्षेत्र में वर्ष 2023-24 में कुल 90 हेक्टेयर क्षेत्रफल में छिड़काव का कार्य किया जा चुका है। कृषि ड्रोन के प्रति कृषकों में जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया है।



मखाना बीज उत्पादन-सह-प्रदर्शन कार्यक्रम

मखाना विकास हेतु, केंद्रीय क्षेत्र योजना के अंतर्गत मखाना बीज उत्पादन-सह-प्रदर्शन कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया। वित्तीय वर्ष 2025-26 में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 56 किसान शामिल थे। इसके अतिरिक्त 07 किसानों के खेतों पर 1 हेक्टेयर क्षेत्र में अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (Front Line Demonstration) का आयोजन किया गया। बीज उत्पादन सह प्रदर्शन हेतु 1 हेक्टेयर क्षेत्र में कृषि विज्ञान केंद्र, बिरौली में भी एक प्रदर्शन इकाई विकसित किया गया है।



दीक्षारंभ कार्यक्रम

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा (समस्तीपुर) द्वारा नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र, बिरौली में 267 विद्यार्थि वर्ष 2024 एवं 2025 में प्रयोगशाला, प्रदर्शन इकाइ, प्रक्षेत्रों एवं विभिन्न कृषि उद्यमों का भ्रमण कराया गया।



ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम (RAWE)

यह कृषि शिक्षा का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम होता है जिसके अंतर्गत विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों के कृषि स्नातक विद्यार्थियों को कृषि विज्ञान केंद्र, बिरौली द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर कृषि गतिविधियों, कृषि प्रसार सेवाओं एवं ग्रामीण जीवन की वास्तविक परिस्थितियों का अनुभव प्राप्त किया।



कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली, समस्तीपुर

एक नजर.....

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय का बस्ता रहित कार्यक्रम

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में बैग लेस कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र (KVK), बिरौली, समस्तीपुर के सहयोग से आयोजित गतिविधियों के अंतर्गत 401 विद्यार्थियों को कृषि तकनीकों, बागवानी, पौध उत्पादन, प्राकृतिक खेती एवं अन्य कृषि आधारित कार्यों की जानकारी एवं व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया ।



विभिन्न तकनीकों के विस्तार हेतु गैर सरकारी संस्थाओं के साथ कार्य

मित्रा फाउण्डेशन के साथ केन्द्र का समझौता ज्ञापन वर्ष 2019 में विश्वविद्यालय के सहमति से किया गया। इसके अन्तर्गत 1200 अग्रणी किसानों को प्रति वर्ष प्रशिक्षण, प्रत्यक्षण एवं विभिन्न प्रसार गतिविधियों के द्वारा तकनीकी सहायता दी गयी। 3 वर्षों में कुल 4000 से भी अधिक किसान लाभान्वित हुए।

इसके अतिरिक्त आगा खाँ ग्राम समर्थन कार्यक्रम ब्रह्मभारतम्, सहगल फाउण्डेशन, इफिकौर आदि गैर सरकारी संस्था के साथ भी जिले के विभिन्न प्रखण्डों के किसानों के साथ तकनीकी सहायता प्रदान करने का कार्य कर रही है।



प्रसार गतिविधियाँ



कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली, समस्तीपुर

एक नजर.....

केन्द्र के द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम

केंद्र के द्वारा आयोजित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि कार्यक्रम

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM & KISAN) योजना भारत सरकार द्वारा छोटे एवं सीमांत किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई एक प्रमुख योजना है। इस योजना की औपचारिक शुभारंभ 24 फरवरी 2019 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र, बिरौली द्वारा इस कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 4278 किसान उपस्थित हुए। केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में किसानों की समस्याओं का समाधान किया गया तथा उन्हें केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कृषि एवं किसान कल्याण योजनाओं से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। इन आयोजनों का मुख्य उद्देश्य किसानों तक सरकारी योजनाओं की पहुँच सुनिश्चित करना, कृषि क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देना तथा किसानों की आय में वृद्धि हेतु आवश्यक जानकारी एवं तकनीकी मार्गदर्शन दिया गया।



विकसित कृषि संकल्प अभियान

कृषि विज्ञान केंद्र, बिरौली द्वारा विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में किसान संवाद, कृषि जागरूकता कार्यक्रम एवं तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में किसानों को उन्नत बीज, प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, फसल विविधीकरण एवं नवीन कृषि तकनीकों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत 02 टीमों द्वारा कुल 90 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। अभियान के दौरान 90 पंचायतों के अंतर्गत 194 गाँवों को आच्छादित किया गया। इन कार्यक्रमों में कुल 11,830 किसानों ने भाग लिया, जिसमें 8,918 पुरुष किसान एवं 2,912 महिला किसान शामिल थीं। अभियान के माध्यम से किसानों को नवीनतम कृषि तकनीकों, वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों, फसल प्रबंधन, प्राकृतिक खेती एवं कृषि से संबंधित विभिन्न विषयों पर तकनीकी जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया।



कौशल विकास कार्यक्रम अन्तर्गत कार्यक्रम



गार्डन कीपर का प्रशिक्षण



गार्डनर सह नर्सरी रेज़र का प्रशिक्षण



मशरूम उत्पादक का प्रशिक्षण



वर्मीकम्पोस्ट उत्पादक का प्रशिक्षण

पुरस्कार एवं सम्मान



कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली, समस्तीपुर

एक नजर.....

प्रकाशन



समाचार पत्रों की नजर में



E-mail: head.kvk.birauli@rpcau.ac.in

6287797157

Website: <https://samastipur.kvk4.in>
<https://www.rpcau.ac.in>

कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली, समस्तीपुर

एक नजर.....